एक नजर में

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

गुना। शहर में धर्म और आस्था का अनूठा समागम होने जा रहा है। आज यानी 16 जुलाई को जिले में लगातार पांचवीं बार भव्य और विशालतम श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। आयोजक राजीव सोनी मित्र मंडल और सहयोगी गीता मानस प्रचार समिति ने बताया कि रथ यात्रा का शुभारंभ गुरुवार दोपहर 2 बजे गुलाबगंज कैन्ट स्थित हनुमान मंदिर से होगा। भगवान जगन्नाथ, भाई बलदेव और बहन सुभद्रा के रथ को खींचने तथा दर्शन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुना पहुंच रहे हैं। यह भव्य रथ यात्रा नगर के विभिन्न मुख्य मार्गों से संकीर्तन करते हुए गुजरेगी, जहां जगह-जगह भगवान का स्वागत किया जाएगा।

अस्पताल में मरीजों को बांटी गई फूड बास्केट

गुना। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी मरीजों को बेहतर पोषण सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कुम्भराज में फूड बास्केट का वितरण किया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में यह आयोजन हुआ। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौम्या वाजपेयी के विशेष प्रयासों और डॉ. गौरव चौधरी के अनुमोदन पर आशीष कुमार जैन ने निक्षय मित्र के रूप में अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर आशीष जैन द्वारा पांच टीबी मरीजों को पौष्टिक फूड बास्केट प्रदान की गईं। कार्यक्रम के समन्वयक व वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक विशाल प्रजापति ने मरीजों को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी के पूर्ण उपचार में नियमित दवाओं के साथ-साथ संतुलित और पौष्टिक आहार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मरीजों को कुपोषण से बचाने और देश को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य से यह पहल की जा रही है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के गजराज धाकड़, नंदकिशोर धनेलिया, लक्ष्मण मेर, राजकुमार बैरागी सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

कारखाने में जंग खाती मशीनों में फिर लौटेगी जान!

नारायणपुरा शक्कर कारखाने के पुनर्जीवन की कवायद तेज, इस बड़ी पहल से किसानों में जागी उम्मीद

नवभारत न्यूज

गुना 15 जुलाई का। जिला प्रशासन ने गुना को औद्योगिक और व्यावसायिक पथ पर अग्रसर करने के लिए एक बेहद सराहनीय और ऐतिहासिक पहल की शुरूआत की है। इसी कड़ी में, लंबे समय से उपेक्षा का दंश झेल रही और बंद पड़ी नारायणपुरा शुगर फैक्ट्री को पुनः संचालित करने की दिशा में गंभीर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

बुधवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने स्वयं दल-बल के साथ शक्कर कारखाने का विस्तृत जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने फैक्ट्री की वर्तमान स्थिति, अनुपयोगी पड़े संसाधनों और तकनीकी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे फैक्ट्री के पुनः संचालन की तमाम संभावनाओं का कड़ा परीक्षण करें और एक सप्ताह के भीतर हर हाल में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें। नारायणपुरा शुगर फैक्ट्री का इतिहास जितना समृद्ध रहा है, उतना ही इसका बंद होना क्षेत्र के लिए दर्दनाक साबित हुआ। इस बंद पड़े कारखाने पर आज भी किसानों और पूर्व कर्मचारियों की करीब 8 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारी बकाया है। इस बकाए का भुगतान करने के लिए समय-समय पर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर प्रयास तो बहुत हुए, लेकिन वे सभी कागजी साबित हुए और धरातल पर कोई कारगर नतीजा नहीं निकल सका।

फैक्ट्री के बंद होने से आक्रोशित किसानों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इसे दोबारा शुरू कराने के लिए लंबे समय तक सड़क से लेकर प्रशासन तक आंदोलन किए। इसके लिए बकायदा एक 'संघर्ष समिति' का भी गठन किया गया, जिसने लगातार इस आवाज को बुलंद रखा। आज जब कलेक्टर खुद मैदान में उतरे हैं, तो इन संघर्षशील किसानों और बदहाली से जूझ रहे कर्मचारियों के परिवारों में एक बार फिर न्याय और हक मिलने की उम्मीद जागी है।

राजस्थान तक फैला था इस शक्कर कारखाने का साम्राज्य

एक दौर था जब इस शक्कर कारखाने की उपयोगिता और धमक पूरे क्षेत्र में हुआ करती थी। जब इसका संचालन सुचारू रूप से चालू था, तब गुना और आसपास के जिलों के हजारों किसान अपना गन्ना बेचने भारी उत्साह के साथ यहाँ आते थे। इतना ही नहीं, अपनी बेहतरीन भौगोलिक स्थिति के कारण पड़ोसी राज्य राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के किसानों को भी इस कारखाने से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा आर्थिक लाभ मिलता था। यह कारखाना केवल एक चीनी मिल नहीं, बल्कि इस पूरे अंचल की आर्थिक रीढ़ हुआ करता था। लेकिन इसके बंद होने से गन्ना उत्पादक किसानों की कमर टूट गई और उन्होंने गन्ने की खेती से ही दूरी बना ली।

धूल और जंग के बीच परखी जमीनी हकीकत

विगत कई वर्षों से ताले में बंद होने के कारण कारखाने के परिसर में खड़ी करोड़ों की मशीनें अब जंग खा चुकी हैं और कबाड़ में तब्दील होने की कगार पर हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सबसे पहले फैक्ट्री के कार्यालय का अवलोकन कर पुराने अभिलेखों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद पूर्व कर्मचारियों से मुलाकात कर पुरानी संचालन व्यवस्था, उत्पादन क्षमता और वर्तमान हालातों पर लंबी चर्चा की।

दफ्तर की पड़ताल के बाद कलेक्टर ने पूरे परिसर, गंदे पड़े उत्पादन ब्लॉक, विभिन्न मशीनों और पावर हाउस का बेहद गहराई से तकनीकी मुआयना किया। उन्होंने देखा कि किस तरह देखरेख के अभाव में बहुमूल्य संयंत्र जर्जर हो रहे हैं।

एक सप्ताह में तैयार होगी भविष्य की रूपरेखा

प्रशासनिक अमले को कड़े निर्देश देते हुए कलेक्टर ने जिला पंजीयक सहकारी संस्थाएं (डीआरसीएस) को निर्देशित किया है कि वे सभी संबद्ध विभागों के साथ तालमेल बिठाकर एक हफ्ते के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपें। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे, एसडीएम राघौगढ़ अमित सोनी, प्रभारी उपायुक्त सहकारिता दिनेश चौरासिया सहित सहकारिता और राजस्व विभाग के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासन की इस सक्रियता को देखकर अब क्षेत्र के किसानों को पूरा भरोसा है कि उनके गन्ने को फिर से सही दाम मिलेगा और नारायणपुरा की बंद पड़ी चिमनियों से जल्द ही विकास का धुआं उठता दिखाई देगा।

विकल्पों पर टिका है कारखाने का पुनर्जीवन

कलेक्टर कन्याल ने साफ किया कि इस बंद पड़े कारखाने को दोबारा पटरी पर लाने और क्षेत्र में फिर से गन्ने की मिठास घोलने के लिए मुख्य रूप से दो विकल्पों पर तकनीकी और आर्थिक रूप से अध्ययन किया जाएगा।

पहला विकल्प जीर्णोद्धार: वर्तमान में उपलब्ध ढांचे, पुरानी मशीनों और संसाधनों का तकनीकी रूप से जीर्णोद्धार कर कारखाने का संचालन नए सिरे से प्रारंभ किया जाए।

दूसरा विकल्प आधुनिकीकरण: पुरानी अनुपयोगी हो चुकी मशीनों को बदलकर आधुनिक तकनीक के अनुरूप बिल्कुल नए सिरे से अत्याधुनिक संयंत्र स्थापित कर इसका संचालन शुरू किया जाए। कलेक्टर ने इन दोनों ही विकल्पों की व्यावहारिक और आर्थिक व्यवहार्यता का विस्तृत तुलनात्मक प्रस्ताव तैयार करने को कहा है।

7 दिन में 25 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त, बुलेट पर लगा17 हजार का जुर्माना

नवभारत न्यूज

गुना। शहर की सड़कों पर मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखे जैसी तेज आवाज निकालने और हुड़दंग मचाने वाले बुलेट चालकों के खिलाफ गुना यातायात पुलिस ने चौतरफा शिकंजा कस दिया है। गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं डीएसपी यातायात श्री मुकेश कुमार दीक्षित के पर्यवेक्षण में अवैध हूटर और मॉडिफाइड साइलेंसर के खिलाफ एक विशेष और बेहद प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है।

यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस की टीमें शहर के मुख्य चौराहों पर तैनात हैं और शांति भंग करने वाले ऐसे वाहन चालकों को कड़ा सबक सिखा रही हैं।

एक ही बुलेट पर लगा 17 हजार का जुमार्ना, मंगवाया ओरिजिनल साइलेंसर

इस कड़े अभियान के तहत गत 14 जुलाई को जज्जी बस स्टैंड क्षेत्र में पुलिस ने एक ऐसी ही बुलेट मोटरसाइकिल को पकड़ा, जिसके साइलेंसर से पटाखे जैसी तेज आवाजें निकल रही थीं। पुलिस ने तत्काल वाहन को जब्त कर थाने पहुंचाया, जहाँ मैकेनिक से उसका मॉडिफाइड साइलेंसर निकलवाकर जब्त कर लिया गया। इसके बाद वाहन मालिक से कंपनी का मूल (ओरिजिनल) साइलेंसर मंगवाकर गाड़ी में फिट कराया गया। मामला जब माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हुआ, तो कोर्ट ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामी पर 17,000 रुपये का भारी-भरकम जुमार्ना ठोक दिया।

11 अक्टूबर को होगी अग्निवीर भर्ती रैली

गुना। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल के तहत अग्निवीर (क्लर्क/एसकेटी) भर्ती रैली का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 को इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर में किया जाएगा। इस रैली में वही अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे, जिन्होंने जून में आयोजित ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) उत्तीर्ण की है। चयनित उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र 14 जुलाई 2026 को उनकी पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेजे जा चुके हैं। उम्मीदवारों को अपने साथ प्रवेश पत्र और अधिसूचना में दर्शाए गए सभी आवश्यक मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य है। इसके अलावा, वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर जरूरीहै।

गेल प्लांट पहुंचे कलेक्टर और एसपी, जांची सुरक्षा

नवभारत न्यूज

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने बुधवार को विजयपुर स्थित गेल प्लांट का संयुक्त निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था, मॉनिटरिंग सिस्टम और कार्यप्रणाली का जायजा लिया। अधिकारियों ने कंट्रोल रूम का भ्रमण कर रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रक्रिया को समझा।

इसके बाद पीपीटी के माध्यम से प्लांट के लेआउट, सुरक्षा मानकों, टेस्टिंग प्रक्रिया और आपातकालीन स्थितियों के लिए निर्धारित 'इमरजेंसी रिस्पॉन्स' प्रोटोकॉल की विस्तृत समीक्षा की। इसके उपरांत कलेक्टर ने साढ़ा कॉलोनी के समीप हाईवे पर बन रहे राघौगढ़ एसडीएम एवं तहसील कार्यालय के निमार्णाधीन भवन का मुआयना किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि परिसर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाया जाए ताकि वर्षा जल का संरक्षण हो सके। साथ ही प्रभावी जल निकासी व्यवस्था करने, रिटेनिंग वॉल से पर्याप्त दूरी रखने और परिसर को सुव्यवस्थित पार्क व हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने परिसर में कटहल का पौधा रोपा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे, एसडीएम अमित सोनी सहित गेल के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुना में भी हुआ नशे से दूरी है जरूरी 2 .0 अभियान का शुभारंभ

एसपी ने दिलाई सामूहिक शपथ, शहर में निकली विशाल जागरुकता रैली

नवभारत न्यूज

गुना। जिले को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से गुना पुलिस एक बार फिर पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर गई है। प्रदेश मुख्यालय के निर्देश पर बुधवार को जिले में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान का आगाज किया गया। सुबह करीब 11 बजे पुलिस परेड ग्राउंड पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में गुना एसपी हितिका वासल ने उपस्थित जनसमुदाय, पुलिस बल को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से शपथ दिलाई। सामूहिक शपथ ग्रहण के बाद पुलिस परेड ग्राउंड से एक जागरूकता रैली की शुरूआत की गई। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों जेल रोड, कॉलेज रोड, अम्बेडकर चौराहा, हनुमान चौराहा, हाट रोड, निचला बाजार, सदर बाजार और लक्ष्मीगंज से होती हुई गुजरी। रैली के दौरान गगनभेदी नारों और तख्तियों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। रैली का समापन गुना के हृदय स्थल जयस्तंभ चौराहे पर हुआ, जहां बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी इस अभियान का समर्थन किया। अभियान की उपयोगिता और गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए एसपी हितिका वासल ने कहा कि एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए नशामुक्त वातावरण का होना बेहद जरूरी है। उन्होंने शपथ लेने वाले सभी लोगों से आह्वान किया कि वे केवल खुद को नशे से दूर न रखें, बल्कि समाज में 'नशामुक्ति के दूत' बनकर इस संदेश को जिले के कोने-कोने तक फैलाएं।

मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण

एसपी ने इस महाअभियान में मीडिया की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ इस जंग को जन-आंदोलन बनाने में मीडिया की सहभागिता सबसे मजबूत कड़ी है। समाज के हर वर्ग के सहयोग से ही गुना को पूरी तरह नशामुक्त बनाया जा सकता है। इस दौरान पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बासखेड़ी फाटक रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से गिरा अज्ञात युवक

गुना। बासखेड़ी फाटक स्थित रेलवे ट्रैक पर मंगलवार रात करीब 11 बजे एक अज्ञात व्यक्ति चलती ट्रेन से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घायल को रात में ही जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर तुरंत इलाज शुरू कराया गया। गंभीर रूप से घायल इस व्यक्ति की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आने के कारण फिलहाल वह बोलने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने आसपास के थानों में घायल व्यक्ति की फोटो और हुलिया भेजकर सूचना प्रसारित कर दी है, ताकि जल्द से जल्द उसकी पहचान सुनिश्चित कर परिजनों से संपर्क किया जा सके। फिलहाल जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने सघन उपचार जारी है।

एकल अभियान के अभ्यास वर्ग में गूंजा बच्चों के अधिकारों का पाठ

गुना। एकल अभियान मध्यभारत चंबल संभाग के अंचल गुना द्वारा स्थानीय हनुमान टेकरी मंदिर परिसर में आयोजित दस दिवसीय नवीन आचार्य अभ्यास वर्ग में बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा पर विशेष मंथन किया गया। बाल कल्याण समिति की सदस्य अनुसुइया रघुवंशी ने उपस्थित प्रतिभागियों को बाल संरक्षण अधिनियम, बाल कल्याण समिति की भूमिका और बच्चों के अधिकारों के बारे में विस्तार से समझाया। संकट की स्थिति में त्वरित सहायता के लिए उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन '1098' के महत्व को रेखांकित किया। सत्र में मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना, पीएम केयर्स योजना, फॉस्टर केयर, स्पॉन्सरशिप और अनाथ बच्चों के पुनर्वास के लिए चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की गई। दत्तक ग्रहण प्रक्रिया के लिए निर्धारित 'कारा' पोर्टल, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर भी प्रकाश डाला गया। अनुसुइया रघुवंशी ने बताया कि बच्चों के आधार, राशन कार्ड व अन्य आवश्यक दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं के समाधान और 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से संबंधित किसी भी शिकायत के निवारण के लिए समिति सदैव तत्पर है।

गौशाला में अवैध वसूली का आरोप

गुना। गुना तहसील के धानबाड़ी गांव में गौशाला न होने और पड़ोसी पंचायत में बनी गौशाला में भेदभाव व अवैध वसूली से नाराज ग्रामीणों ने कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। बुधवार को धानबाड़ी के ग्रामीण संजीव पाल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि पंचायत उदयपुरी के गणेशखेड़ा में स्थित गौशाला में स्थानीय कर्मचारियों द्वारा पैसे लेकर ही मवेशियों को शरण दी जा रही है।

पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने पिया कीटनाशक, अस्पताल में भर्ती

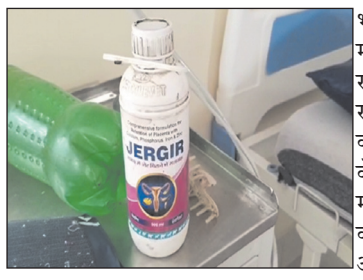

नवभारत न्यूज

गुना। बमौरी ब्लॉक के सिमरौद गांव में घरेलू कलह और पति से मिल रही मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर 35 वर्षीय महिला ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। महिला को गंभीर हालत में देर रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है और हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सिमरौद निवासी रामबाई पत्नी करन भील का पति शराब पीने का आदी है।

वह आए दिन शराब के नशे में घर आकर रामबाई के साथ मारपीट और गाली-गलौज करता था। रामबाई की मां ने आरोप लगाया है कि उसका दामाद करन भील उनकी बेटी को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था, जिससे तंग आकर रामबाई ने यह आत्मघाती कदम उठाया। पीड़ित महिला के तीन बच्चे हैं। घटना मंगलवार रात करीब 9 बजे की है, जब प्रताड़ना से तंग आकर रामबाई ने घर में रखी इल्लीमार दवा पी ली। हालत बिगड़ने पर परिजनों को घटना का पता चला। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर देर रात 10 बजे अस्पताल पहुंचे और भर्ती कराया। सजगता दिखाते हुए उपचार के दौरान महिला के परिजन अपने साथ उस इल्लीमार दवा की खाली बोतल भी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जिसे महिला ने पिया था।

इससे डॉक्टरों को जहर के प्रकार को समझने और तत्काल सही उपचार शुरू करने में काफी मदद मिली। समय पर इलाज मिलने के कारण फिलहाल रामबाई की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है जिस पर पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

सफलता राजस्थान से चल रहा था नशे का पूरा सिंडिकेट

फतेहगढ़ पुलिस ने दबोचा सीमांत जिलों का बड़ा स्मैक पैडलर

नवभारत न्यूज

गुना। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबारियों के खिलाफ गुना पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी का लोहा मनवाया है। एसपी हितिका वासल के कुशल नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना के पर्यवेक्षण में फतेहगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे शातिर ड्रग पैडलर मदनमोहन मीना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गौरतलब है कि इस बड़े तस्कर के सक्रिय होने और इसके सिंडिकेट को लेकर 'नवभारत' ने पहले ही प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी, जिस पर 15 जुलाई को पुलिस की इस कार्रवाई ने अंतिम मुहर लगा दी है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत बीते 18 जून 2026 को हुई थी। फतेहगढ़ थाना पुलिस ने ग्राम निवेरी निवासी बालकिशन मीना को बाइक पर स्मैक की तस्करी करते हुए रंगे हाथों दबोचा था। पुलिस ने बालकिशन के कब्जे से 1.50 लाख रुपये मूल्य की 15 ग्राम अवैध स्मैक और तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल जब्त की थी। सघन पूछताछ में बालकिशन ने कबूला था कि वह यह खेप अपने ही छोटे भाई मदनमोहन मीना से लेकर आया था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने प्रकरण में धारा 29 एनडीपीएस एक्ट का इजाफा कर मदनमोहन को भी सह-आरोपी बनाया था और तभी से उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही थी।

राजस्थान में डेरा जमाकर चला रहे थे पूरा सिंडिकेट

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, मदनमोहन और बालकिशन का पूरा परिवार लंबे समय से मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के इस काले धंधे में लिप्त है। शुरुआत में इस परिवार ने फतेहगढ़ के निवेरी गांव में छोटे स्तर पर तस्करी शुरू की थी। लेकिन जैसे-जैसे इनका नेटवर्क बढ़ा और स्थानीय स्तर पर पुलिस का दबाव तेज हुआ, इन शातिर तस्करों ने अपना नया ठिकाना पड़ोसी राज्य राजस्थान में बना लिया। वे राजस्थान की सीमा से गुना, शिवपुरी और बारां (राजस्थान) सहित कई सीमावर्ती जिलों में स्मैक और अवैध शराब की बड़ी खेप सप्लाई करने का नेटवर्क ऑपरेट कर रहे थे। 'नवभारत' ने इस सीमांत नेटवर्क को लेकर पहले ही आगाह किया था, जिसके बाद हरकत में आई फतेहगढ़ पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और आज बुधवार को जाल बिछाकर मदनमोहन पुत्र कन्हैयालाल मीना (उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम निवेरी) को धर दबोचा।

कोर्ट से जारी था परमानेंट वारंट, पुलिस को सालों से थी तलाश

गिरफ्तार किया गया आरोपी मदनमोहन मीना पुलिस रिकॉर्ड में बेहद शातिर और आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस एक्ट और आबकारी एक्ट के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। आरोपी फतेहगढ़ थाने के ही वर्ष 2019 के एक पुराने एनडीपीएस केस (अपराध क्रमांक 183/19) में लगातार फरार चल रहा था। इस पर विशेष न्यायालय गुना से उसके खिलाफ स्थाई वारंट (न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 36/19) जारी किया गया था। पुलिस को इस वारंट में भी उसकी लंबे समय से तलाश थी, जिसे आज तामील कराकर आरोपी को कोर्ट के जरिए सीधे जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

बड़ी मछली तो फंसी, लेकिन अब भी बाकी हैं कई सप्लायर

हालांकि मदनमोहन मीना की इस महत्वपूर्ण गिरफ्तारी से फतेहगढ़ पुलिस ने अपनी पीठ जरूर थपथपा ली है और 'नवभारत' की खबर का बड़ा असर देखने को मिला है। लेकिन जमीनी हकीकत यह भी है कि फतेहगढ़ क्षेत्र के कई गांवों में बरसों से जमे अन्य स्थानीय छोटे-बड़े तस्कर और सप्लायर अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। उम्मीद है कि इस कार्रवाई से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस जल्द ही क्षेत्र के अन्य नशा सौदागरों पर भी शिकंजा कसेगी।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार एयू स्माल फाइनेंस बैंक लि. गुना द्वारा, हरिओम सोनी के हित में ऋण प्रदाय किये जाने हेतु दस्तावेज एकत्र किऐ जा रहे है, उक्त प्रक्रिया में भूमि सर्वे न0 882/19/4(एस) क्षेत्रफल 2000 वर्गफिट सिद्धी विनायक कॉलोनी अशोकनगर जिला अशोकनगर मे स्थित है। उक्त सम्पत्ति जो कि श्रीमति मोनिका श्रीवास्तव पत्नि श्री मनोज श्रीवास्तव द्वारा विक्रेता मे. देव होम्स अशोकनगर द्वारा भागीदार 1. विनोद शर्मा पुत्र श्री मदनमोहन शर्मा, 2. अंकुर शर्मा पुत्र श्री विष्णुप्रसाद शर्मा से विक्रय पत्र क्र. MP471192018A1049135 दिनांक 22/01/2018 के माध्यम से क्रय किया था। इसके पश्चात श्रीमति मोनिका श्रीवास्तव पत्नि श्री मनोज श्रीवास्तव की मृत्यू हो जाने के बाद श्रीमति मोनिका श्रीवास्तव के कानूनी वारीसान समन्यू श्रीवास्तव पुत्र श्री मनोज श्रीवास्तव, एवं वैष्णवी श्रीवास्तव पुत्री श्री मनोज श्रीवास्तव के नाम पर फोती नामांत्रण क्र. 1394/अ-6/2026-27 दिनांक 07/07/2026 से स्वीकृत किया गया हैं। ओर उक्त सम्पत्ति को विक्रय करने का अनुबंध किया गया हैं तथा मनोज श्रीवास्तव द्वारा उक्त संव्यवहार में अपनी सहमति व्यक्त की हैं।

यह कि उक्त विक्रय पत्र से किसी भी व्यक्ति, अथवा वारिस, अथवा किसी वित्तीय संस्था, या बैंक आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या बैंक अथवा संस्था में बधंक हों तो आज से सात दिवस के भीतर विधिक दस्तावेज सहित मुझ से सम्पर्क करें। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी

सूचना कर्ता-
शलभ पारीक, एड्वोकेट
31/248 आदर्श कॉलोनी गुना
फोन-9425746155